Rise in the Prices of Coal

530. SHRI CHANDRIKA PRASAD TRIPATHI
DR. RATNAKAR PANDEY:
SHRI P. N. SUKUL:
SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have increased the prices of coal recently; and

(b) if so, the extent of rise made and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF COAL IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI C.K. JAFFAR SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(b) The average pit-head price of coal produced by Coal India Limited was increased from Rs. 219.00 per tonne to Rs. 249.00 per tonne w.e.f. 1.1.1989 and that of Singreni Collieries Company Limited from Rs. 270.00 per tonne to Rs. 297.00 per tonne w.e.f. 24.1.1989. A premium of 10% has also been levied on superior grades of coal produced in the Raniganj and Korea Rewa fields of Coal India Limited

The increase in the prices of coal has been necessitated because of increase in the cost of production due to escalation in wages on account of VDA, stores, capital cost etc. The premium on superior grades produced in Raniganj and Korea Rewa fileds has been levied in view of the scarcity of these types of coal in relation to the demand for them.

Modification of the MOU with Public Sector Undertakings

531. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to modify the Memorandum of Understanding with public sector undertakings;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) the names of the companies with which this new MOU is being signed; and

(d) what are the additional advantages which are likely to arise due to the signing of the modified Memorandum of Understanding?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a), (b) and (d) There is no format of MOU applicable to all public sector enterprises and the MOU is enterprise-specific. Government is constantly trying to refine the contents of the MOU so that the public sector enterprises can be accorded greater autonomy consistent with accountability with a view to judging them on results.

(c) Eighteen public sector undertakings viz. Air India, Bharat Electronic Ltd., Bharat Earth Movers Ltd., Bharat heavy Electricals Ltd., Bharat Yantra Nigam Ltd., HMT Ltd., Coal India Ltd., Heavy Engg. Corpn. Ltd., Indian Airlines, Indian Petrochemicals Corpn. Ltd., Maruti Udyog Ltd., National Thermal Power Corpn. Ltd., Oil & Natural Gas Commn., Rashtriya Chemicals & Fertilisers Ltd., Steel Authority of India Ltd., Minerals & Metals Trading Corpn. of

India., State Trading Corpn. of India, Indian Oil Corporation Ltd.. are to sign MOU for 1989-90.

The increase in the prices of coal has been necessitated because of increase in the cost of production due to escalation in wages on account of VDA, stores, capital cost etc. The premium on superior grades produced in Raniganj and Korea Rewa fileds has been levied in view of the scarcity of these types of coal in relation to the demand for them.

छोटी कारों का निर्माण

532. **श्री अजीत जोगी:**
श्री पृथ्वी माझी:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में मारुति कारों की कीमतें पुनः बढ़ा दी गई है,

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह सच है कि मारुति कारों का निर्माण देश में इसलिये प्रारम्भ किया गया था ताकि मध्यम वर्गीय लोगों को कम कीमत पर छोटी कार उपलब्ध हो सके;

(घ) यदि हां, तो इस उद्देश्य की प्राप्ति मे मारुति उद्योग लिमिटेड के सफल न रहने के क्या कारण हे, और

(ङ) क्या मारुति उद्योग लि० की इस प्रकार की कार बनाने मे असफलता को देखते हुए मध्यमवर्गीय लोगों के लिये इन कारों के वर्तमान मूल्यों की तुलना मे कम कीमत की छोटे साइज की कार बनाये जाने के संबंध मे कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगल राव): (क) और (ख) जी हां। मारुति वाहनों के मूल्य 16-1-89 मे, अमरीकी डालर की तुलना में रुपये में कमी तथा कच्चे माल और खरीदे जाने वाले हिस्से पुर्जों की लागत मे वृद्धि के कारण बढ़ाए गए थे।

(ग) और (घ) मारुति वाहनों के निर्माण के मुख्य उद्देश्यों मे मोटर गाडी उद्योग के आधुनिकीकरण के साथ ईधन क्षम वाहनों का उत्पादन तथा आर्थिक विकास की आवश्यकताओं के लिए अनिवार्य मोटर वाहनों का उच्च उत्पादन शामिल है। मारुति उद्योग लिमिटेड अपनी परियोजना रिपोर्ट मे दिए गए लक्ष्यों से कही अधिक ईधन क्षम वाहनों को, सारे भारतवर्ष के लोगो को अन्य अच्छे स्थापित माडलों की कीमत से कम मूल्य पर, उपलब्ध कराने में सफल रहा है।

(ङ) सवारी कारों का मूल्य कच्चे माल हिस्से पुर्जों और अन्य अन्तर्वस्तुओं की लागत के साथ-साथ, वित्तीय लेविया जैसे विभिन्न कारणो पर निर्भर करता है।

मध्य प्रदेश में बिरसिंगपुर पाली में पात विद्युत गृह का निर्माण

533. **श्री अजीत जोगी:**
श्री पृथ्वी माझी:

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के बिरसिंगपुर पाली नामक स्थान पर बन रहे ताप विद्युत गृह के निर्माण की प्रगति किसी न किसी कारण से बहुत धीमी रही है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) आरम्भ, उक्त ताप विद्युत गृह के निर्माण में कितने वर्ष लग जाने थे और तब से अब तक, कितने व्यतीत हो चुके?

ऊर्जा मंत्रालय के विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) से (ग) संजय गांधी (वीरसिंह पुर) ताप विद्युत परियोजना के 210-210